भजन सरीसा सुख हैं नहीं

पाँव पलक रो नहीं पतो,
तू करे काल की बात,
कुण जाणे क्या होवसी,
उगतड़े परभात।
भजन सरीसा सुख है नहीं,
कर के देख लो विचारा,
भजन करया सूं नर तिर गया,
पापी डूब्या मझधारा,
भजन सरीसा सुख हैं नहीं।

धिन धिन ध्रुव प्रहलाद ने,
ज्यारा पिता लिया लारा,
राम नाम छोड्यो नहीं,
दूख सहिया अति भारा,
भजन सरीसा सुख हैं नही,
कर के देख लो विचारा,
भजन करया सूं नर तिर गया,
पापी डूब्या मझधारा।

राजा हरी पट राणीया,
रूपा मीरा ने तारा,
नाम ले निर्भय है भई,
ऐसा रामजी है प्यारा,
भजन सरीसा सुख हैं नही,
कर के देख लो विचारा,
भजन करया सूं नर तिर गया,
पापी डूब्या मझधारा।

गौड़ बंगलो गोपी चंद तजियो,
सुलतान बखारा,
नगर उजिणी तजी भरथरी,
तजिया विशियाँ रा लारा,
भजन सरीसा सुख हैं नही,
कर के देख लो विचारा,
भजन करया सूं नर तिर गया,
पापी डूब्या मझधारा।

अंत करोड़ संतजन तिरिया,
लिया नाम का सहारा,
कहे नवला राम नित हरी ने भजो,
नहीं तो धूळ जमारा,
भजन सरीसा सुख हैं नही,

कर के देख लो विचारा,
भजन करया सूं नर तिर गया,
पापी डूब्या मझधारा।

भजन सरीसा सुख है नहीं,
करके देख लो विचारा,
भजन किया नर तिर गया,
पापी डुबा मझधारा,
भजन सरीसा सुख हैं नही,
कर के देख लो विचारा,
भजन करया सूं नर तिर गया,
पापी डूब्या मझधारा।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21337/title/bhajan-saresa-sukh-hai-nhi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |